बिहार सरकार
वित्त विभाग

पत्र संख्या–20एम०–वि०प०–(तारांकित)–01 / 2024

प्रेषक,

सुरेन्द्र कुमार,
सरकार के उप सचिव।

सेवा में,

आयुक्त–सह– सचिव,
वाणिज्य कर विभाग,
बिहार, पटना।

विषयः– **श्री महेश्वर सिंह (पूर्वी चम्पारण स्थानीय प्राधिकार)**, माननीय स०वि०प० द्वारा बिहार विधान परिषद् के 206वें सत्र में पूछा जानेवाला **तारांकित ऑनलाईन प्रश्न (डायरी) संख्या–1 / 206 / 22** के **स्थानान्तरण** के संबंध में।

प्रसंगः– बिहार विधान परिषद् सचिवालय से दिनांक–05.02.2024 को ऑनलाईन प्राप्त।

महाशय,

निदेशानुसार उपर्युक्त विषयक प्रासंगिक पत्र के संबंध में कहना है कि विषयांकित प्रश्न **वाणिज्य कर विभाग** से संबंधित है।

अतएव बिहार विधान परिषद् सचिवालय से प्राप्त पत्र एवं प्रश्न की छायाप्रति संलग्न करते हुये अनुरोध है कि वांछित उत्तर बिहार विधान परिषद् सचिवालय को ससमय भेजते हुये उसकी प्रति संसदीय कार्य विभाग एवं वित्त विभाग को भी देने की कृपा की जाय।

अनुलग्नक–यथोक्त ।

विश्वासभाजन,

ह०/–
(सुरेन्द्र कुमार)
सरकार के उप सचिव।

ज्ञापांक– /वि०, पटना, दिनांक–

प्रतिलिपिः– अवर सचिव, बिहार विधान परिषद् सचिवालय, पटना को तारांकित ऑनलाईन प्रश्न संख्या–1 / 206 / 22 के आलोक में सूचनार्थ प्रेषित।

ह०/–
(सुरेन्द्र कुमार)
सरकार के उप सचिव।

ज्ञापांक– 1712 /वि०, पटना, दिनांक– 16-02-2024

प्रतिलिपिः– माननीय मंत्री, वित्त विभाग के आप्त सचिव को सूचनार्थ प्रेषित।

16.2.24
(सुरेन्द्र कुमार)
सरकार के उप सचिव।

बिहार विधान परिषद प्रश्न

1/206/22

फर्जी कंपनियों की जांच

19/01/2024 05/02/2024

*1/206/22 श्री महेश्वर सिंह(पूर्वी चम्पारण स्थानीय प्राधिकार)

वित्त विभाग

(क) क्या यह सही है कि बिहार में एक हजार से अधिक फर्जी कंपनियों में से करीब 300 कंपनियां मजदूरों के नाम पर खोली गई हैं और उनके द्वारा जी.एस.टी.की चोरी की जा रही है;

(ख) क्या यह सही है कि इन कंपनियों में से अधिकांश सासाराम ,भभुआ , गया और नवादा जिला में पायी गयी हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार ऐसी फर्जी कंपनियों की जांच कराने का विचार रखती है, यदि नहीं तो क्यों ?